Series E7DFG

Set – 2

प्रश्न-पत्र कोड **3/7/2**

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (अ)
HINDI (A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **15** प्रश्न हैं । **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **चार** खण्ड हैं – खण्ड **क**, **ख**, **ग** और **घ** ।*

(iii) ***खण्ड क** में कुल **2** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **10** है ।*

(iv) ***खण्ड ख** में कुल **4** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **20** है ।*

(v) ***खण्ड ग** में कुल **5** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **21** है ।*

(vi) ***खण्ड घ** में कुल **4** प्रश्न हैं ।*

(vii) *प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है । यद्यपि, कुछ खण्डों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

(viii) *यथासंभव सभी खण्डों के उत्तर क्रमश: लिखिए ।*

~~~

खण्ड क

(अपठित बोध) *14*

1. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए : *7*

वहाँ बहुत सारी चीज़ें थी करीने से सजी हुई
जिन्हें गुज़रे वक़्त के लोगों ने कभी इस्तेमाल किया था।
दीवारों पर सुनहरी फ्रेम में मढ़े हुए उन शासकों के विशाल चित्र थे
जिनके नीचे उनका नाम और समय भी लिखा था
जिन्होंने उन चीज़ों का उपयोग किया था
लेकिन उन चीज़ों को बनाने वालों का कोई चित्र वहाँ नहीं था
न कहीं उनका कोई नाम था।
खाना खाने की नक़्क़ाशीदार रकाबियाँ थीं,
कटोरियाँ और कटोर दान थे,
गिलास और उगालदान थे।
खाना पकाने के बड़े-बड़े देग और खाना परोसने के करछुल थे।
पर खाना पकाने वाले बावरचियों के नामों उल्लेख कहीं नहीं था।
खाना पकाने की भट्टियाँ और बड़ी-बड़ी सिगड़ियाँ थीं
पर उन सिगड़ियों में आग नहीं थी।
आग की सिर्फ़ कहानियाँ थीं
लेकिन आग नहीं थी।
आग का संग्रह करना संभव नहीं था।
सिर्फ आग थी
जो आज को बीते हुए समय से अलग करती थी।
~~~

(i) संग्रहालय में निम्नलिखित में से क्या ***नहीं*** था ? *1*

(A) शासकों के विशाल चित्र

(B) नक़्क़ाशीदार रकाबियाँ

(C) खाना पकाने के देग

(D) सिगड़ियों में आग

(ii) काव्यांश में किस सामाजिक विसंगति को उजागर किया गया है ? *1*

(A) संग्रहालयों में विशिष्ट व्यक्तियों को महत्त्व दिए जाने का

(B) संग्रहालय में शासकों का महिमामंडन और श्रमिक वर्ग की उपेक्षा

(C) संग्रहालय में आम आदमी के साथ होने वाले व्यवहार का

(D) संग्रहालय में रखी हुई वस्तुओं की देखभाल नहीं होने का

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए : *1*

कथन : आग का संग्रह करना संभव नहीं था।

कारण : आग श्रमिकों के परिश्रम और ऊर्जा का प्रतीक है जिसे संग्रहित नहीं किया जा सकता।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन सही है, लेकिन कारण ग़लत है।

(iv) 'आग की सिर्फ कहानियाँ थी लेकिन आग नहीं थी' – पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। *2*

(v) संग्रहालय में शासकों और कारीगरों के बीच किस तरह का भेदभाव दिखाया गया है ? *2*

〰

2. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए : *7*

ज्ञान किताबों से ही नहीं मिलता है। कबीरदास जी ने भी कहा है

पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय।

ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।

इस दोहे का अर्थ है कि मोटे-मोटे ग्रंथों को पढ़ते हुए संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुँच गए, लेकिन सभी विद्वान नहीं हो सके। कबीरदास कहते हैं कि, यदि कोई प्रेम या प्यार के केवल ढाई अक्षर ही सही तरीके से पढ़ ले, तो वह प्यार का सही रूप पहचान लेता है और वही सच्चा ज्ञानी होता है। पुस्तकों से शिक्षा ग्रहण की जा सकती है, लेकिन ज्ञान के लिए आपको चहुँओर देखना होगा। संसार में चारों ओर ज्ञान ही ज्ञान पसरा है।

संसार में ज्ञान हमेशा से सर्वोपरि रहा है। सभी लोग जीवन में सफल होना चाहते हैं। सफलता की कुंजी को प्राप्त कर अपने लक्ष्य तक पहुँचना चाहते हैं। इसके लिए वे किताबों में ही डूबे रहते हैं। किताबों से ज्ञान तो अर्जित किया जा सकता है, लेकिन यह काफी हद तक सीमित ज्ञान होगा। सफलता के लिए जरूरी है सूचनाओं को इकट्ठा करना। संसार में चहुँओर सूचनाओं का अंबार है। इसलिए पुस्तक से निकलकर संसार में अपने आस-पास भी देखिए और ज्ञान इकट्ठा कीजिए।

ऐसा देखा गया है कि ऊँची-ऊँची डिग्री धारण करने के बाद भी लोग व्यावहारिक जीवन में बहुत ही असफल होते हैं, उन्हें समझ में नहीं आता है कि अपने इस किताबी ज्ञान को किस तरह से जीवन में उतारें और उपयोग करें। इसलिए जरूरी है कि किताबी ज्ञान के साथ ही मानवीय और व्यावहारिक ज्ञान भी हासिल किया जाए। यह हमें पुस्तकों से नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवहार से, आसपास के परिवेश और अनुभव से प्राप्त होता है।

(i) 'पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय' – इस पंक्ति का आशय है : *1*

(A) पुस्तकें पढ़ने से विद्वता नहीं आती

(B) केवल पुस्तकीय ज्ञान से व्यावहारिक ज्ञान नहीं मिलता

(C) मोटे-मोटे ग्रंथों का अध्ययन करना व्यर्थ है

(D) विद्वान बनने के लिए शास्त्रों का अध्ययन करना चाहिए

(ii) गद्यांश के अनुसार सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है : *1*

(A) दूसरों से प्रतिस्पर्धा करना

(B) दिन-रात कठोर परिश्रम करना

(C) पुस्तकीय ज्ञान को प्राप्त करना

(D) पुस्तकीय ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव का संतुलन

(iii) गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है ? *1*

(A) ज्ञान केवल शिक्षा ग्रहण करने से ही प्राप्त होता है।

(B) पुस्तकीय ज्ञान को जीवन में उतारे बिना वह व्यर्थ है।

(C) व्यावहारिक ज्ञान से पुस्तकीय ज्ञान अधिक उपयोगी है।

(D) सूचनाएँ इकट्ठा करना समय और श्रम की बर्बादी है।

(iv) ऊँची-ऊँची डिग्रियाँ धारण करने पर भी लोग व्यावहारिक जीवन में सफल क्यों नहीं हो पाते ? *2*

(v) गद्यांश में 'कबीर' का उदाहरण किस उद्देश्य से दिया गया है ? *2*

खण्ड ख

(व्यावहारिक व्याकरण) *16*

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(i) यद्यपि सुबह हमें यूमथांग के लिए निकलना था, फिर भी आँख खुलते ही मैं बालकनी की तरफ भागी। (संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए)

(ii) मौसम अच्छा था लेकिन आसमान हल्के-हल्के बादलों से ढका था। (सरल वाक्य में बदलकर लिखिए)

(iii) इतने सारे फूल दिखाई पड़े कि लगा फूलों के बाग में आ गई हूँ। (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

(iv) ड्राइवर-कम-गाइड जितेन नार्गे मुझे बता रहा था। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(v) धूपी के खूबसूरत नुकीले पेड़ों का जायजा लेते हुए हम पहाड़ी रास्तों पर आगे बढ़ने लगे। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(i) मज़दूर रास्तों को चौड़ा बना रहे हैं। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ii) अध्यापक द्वारा हमें बताया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(iii) इस खतरनाक रास्ते पर हम नहीं जा सकते। (भाववाच्य में बदलिए)

(iv) कभी-कभी हम लोगों द्वारा बारात का भी जुलूस निकाला जाता। (वाच्य पहचानकर लिखिए)

(v) प्रशासन ने यहाँ बोर्ड लगाया था। (वाच्य पहचानकर लिखिए)

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित निम्नलिखित पाँच रेखांकित पदों में से किन्हीं ***चार*** पदों का पद-परिचय लिखिए : *4×1=4*

ये मेरे देश की आम जनता है, इन्हें तो आप कहीं भी देख लेंगी। आप पहाड़ों की सुंदरता देखिए।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों की रेखांकित काव्य-पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए : *4×1=4*

(i) भूप सहस दस एकहिं बारा। लगे उठावन टरत न टारा॥

(ii) पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के

(iii) ऋतुओं की रानी कहलाती।
पहन बसंती ताज है आती।

(iv) उषा सुनहरे तीर बरसाती, जय लक्ष्मी-सी उदित हुई।

(v) एक राम घनस्याम हित चातक तुलसीदास

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित) ***30***

7. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(i) 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए कि 'बिस्मिल्ला खाँ का सम्पूर्ण जीवन शहनाई वादन को समर्पित था'।

(ii) मन्नू भंडारी ने अपनी माँ के स्वभाव के विषय में क्या बताया है ? 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर लिखिए।

(iii) लेखक और नवाब साहब द्वारा सेकंड क्लास का टिकट खरीद कर यात्रा करने के उद्देश्य में क्या समानता थी ? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए।

(iv) 'बालगोबिन भगत का चरित्र सामान्य मनुष्यों से भिन्न था।' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही। सुई-धागे के आविष्कार में शायद शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ रहा। अब कल्पना कीजिए उस आदमी की जिसका पेट भरा है, जिसका तन ढँका है, लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया हुआ रात के जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती क्योंकि वह यह जानने के लिए परेशान है कि आखिर यह मोती भरा थाल क्या है ? पेट भरने और तन ढँकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है। पेट भरा और तन ढँका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है, निठल्ला नहीं बैठ सकता। हमारी सभ्यता का एक बड़ा अंश हमें ऐसे संस्कृत आदमियों से ही मिला है, जिनकी चेतना पर स्थूल भौतिक कारणों का प्रभाव प्रधान रहा है, किंतु उसका कुछ हिस्सा हमें मनीषियों से भी मिला है जिन्होंने तथ्य-विशेष को किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत होकर नहीं, बल्कि उनके अपने अंदर की सहज संस्कृति के ही कारण प्राप्त किया है। रात के तारों को देखकर न सो सकने वाला मनीषी हमारे आज के ज्ञान का ऐसा ही प्रथम पुरस्कर्ता था।

(i) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए :

कथन : पेट भरने और तन ढँकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है।

कारण : संस्कृति मनुष्य की भौतिक प्रेरणा से अधिक मनुष्य के भीतर की सहज प्रवृत्ति पर बल देती है।

विकल्प :

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(ii) गद्यांश के संदर्भ में हमारी सभ्यता में संस्कृत व्यक्तियों और मनीषियों के योगदान के विषय में कौन-सा कथन ***अनुपयुक्त*** है ?

(A) नए-नए आविष्कार किए हैं।

(B) सभ्यता विकसित कर रहे हैं।

(C) अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित हैं।

(D) अपनी खोजबीन से मानव जीवन सुगम बनाया है।

(iii) भौतिक कारणों से किन वस्तुओं का आविष्कार आवश्यक था ?

I. आग

II. सुई-धागा

III. सुरक्षा के साधन

IV. तारों की गणना

विकल्प :

(A) I, II और III

(B) II, III और IV

(C) I, III और IV

(D) I, II और IV

(iv) कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए :

कॉलम-I		कॉलम-II	
1.	आग का आविष्कार	I.	पेट की ज्वाला
2.	सुई-धागे का आविष्कार	II.	नए तथ्यों की जानकारी
3.	संस्कृति की जननी	III.	मौसम से बचाव

विकल्प :

(A) 1-II, 2-I, 3-III

(B) 1-I, 2-III, 3-II

(C) 1-III, 2-I, 3-II

(D) 1-II, 2-III, 3-I

(v) आज के ज्ञान का प्रथम पुरस्कर्ता किसे कहा गया है ?

(A) जो खुले आकाश में गहरी नींद सोया है।

(B) पेट भरने और तन ढँकने के लिए चिंताग्रस्त है।

(C) जो मोतियों भरे थाल को जानने के लिए उत्सुक है।

(D) जो दिनभर के काम के बाद आराम चाहता है।

9. पूरक पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(i) हिरोशिमा शहर में घूमते हुए लेखक का मन क्या देखकर विचलित हो जाता है ? उसका उनके मन पर क्या प्रभाव पड़ता है ? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ii) 'जल-संरक्षण' से आप क्या समझते हैं ? आपके विचार से हम सब इस दिशा में क्या-क्या कर सकते हैं ? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए।

(iii) 'माता का अँचल' पाठ में वर्णित विद्यालय का अनुशासन और वर्तमान में आपके विद्यालय के अनुशासन को आप कैसे भिन्न पाते हैं ? इस पर अपनी तुलनात्मक राय लिखिए।

10. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(i) ‘सूरदास के पद’ पाठ के आधार पर लिखिए कि गोपियों ने उद्धव को ‘बड़भागी’ कहकर क्या कहना चाहा है।

(ii) ‘आत्मकथ्य’ कविता के आधार पर प्रस्तुत काव्य-पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए :
‘तब भी कहते हो – कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे – यह गागर रीती।’

(iii) ‘उत्साह’ कविता के मुख्य स्वर को स्पष्ट कीजिए।

(iv) ‘फ़सल’ कविता सबके सहयोग और एकता की भावना पर कैसे बल देती है, स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा॥
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही॥
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई॥
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा॥
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा॥
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने॥
बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं॥
येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू॥

(i) 'नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा॥' इस काव्य-पंक्ति में वक्ता कौन है ?

(A) लक्ष्मण

(B) राम

(C) राजा जनक

(D) विश्वामित्र

(ii) इन चौपाइयों का प्रसंग है :

(A) सीता-स्वयंवर के समय शिव धनुष का टूटना

(B) जनक महल में लक्ष्मण द्वारा शिव धनुष का तोड़ना

(C) जनक सभा में परशुराम के क्रोध से शिव धनुष का टूटना

(D) जनक महल के संग्रहालय में राम से शिव धनुष का टूटना

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए :

कथन : परशुराम जी राजा जनक की सभा में खंडित धनुष को देखकर आपे से बाहर हो जाते हैं।

कारण : अपने आराध्य शिव के धनुष को टूटा देख वे स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख पाते।

विकल्प :

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(iv) काव्यांश के आधार पर परशुराम की स्वभावगत विशेषताएँ हैं :

I. शिवजी के परम भक्त हैं।

II. क्षत्रियों से उनका पुराना बैर है।

III. वीर, क्रोधी, साहसी, आत्म-प्रशंसक हैं।

IV. शक्तिशाली, घमंडी, निर्दयी, चाटुकार हैं।

विकल्प :

(A) I और II सही हैं।

(B) III और IV सही हैं।

(C) I और III सही हैं।

(D) II, III और IV सही हैं।

(v) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन इस पद में ***नहीं*** आया ?

(A) धनुष तोड़ने वाला सहस्रबाहु के समान ही परशुराम का दुश्मन है।

(B) धनुष तोड़ने वाला राज-समाज से अलग हो जाए अन्यथा स्वयंवर स्थल पर सभी राजा मारे जाएँगे।

(C) लक्ष्मण ने कहा कि बचपन में हमने इतनी धनुहियाँ तोड़ी तब तो आपने क्रोध नहीं किया।

(D) विश्वामित्र ने कहा कि सज्जन बालकों के गुण-दोष को महत्त्व नहीं देते।

खण्ड घ

(रचनात्मक लेखन) *20*

12. (i) आप दीपा/दीप हैं । अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर क्रिकेट प्रशिक्षक (कोच) की व्यवस्था करवाने के लिए लगभग 100 शब्दों में निवेदन कीजिए । *5*

अथवा

(ii) आप दीपा/दीप हैं। अपनी दादीजी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर बताइए कि आपने उनसे जो हलवा बनाना सीखा था, वह बनाया था, बहुत ही बढ़िया बना, सबने सराहना की। *5*

13. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *6*

(i) अक्षय ऊर्जा : आज की जरूरत

- अक्षय ऊर्जा का अर्थ
- अक्षय ऊर्जा के प्रकार
- समस्याएँ और समाधान

(ii) ऑनलाइन खरीददारी

- अभिप्राय
- समय की आवश्यकता
- अपेक्षित सावधानियाँ

(iii) प्लास्टिक प्रदूषण

- प्लास्टिक प्रदूषण के कारण
- स्वास्थ्य पर प्रभाव
- समाधान

14. (i) आप संगीता/संगीत हैं। किसी आँगनवाड़ी में सहायक का पद खाली है। आपको उस पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत्त तैयार कीजिए। *5*

अथवा

(ii) आप संगीता/संगीत हैं। अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखकर जल-भराव की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित कीजिए। *5*

15. (i) अ.ब.स. कंपनी को बाज़ार में नई साइकिल बिक्री के लिए लानी है। उसके प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। *4*

अथवा

(ii) 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर बधाई देते हुए अपने मित्र को लगभग 40 शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए। *4*